एनआईटी से लेकर आईआईएम तक, संस्थानों ने साझा की भविष्य के लिए अपनी योजनाएं

रायपुर। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कई तरह के आयोजन हो रहे हैं। इसके अलावा अमृतकाल विजन डॉक्यूमेंट भी विभागों द्वारा तैयार किए जा रहे हैं। शिक्षा विभाग द्वारा भी इस दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा से लेकर अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा इसमें हिस्सेदारी निभाई जा रही है। इसी कड़ी में राज्य नीति आयोग द्वारा बैठक ली गई। अमृत काल विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए गुणवत्ता युक्त शिक्षा विषय पर गठित वर्किंग ग्रुप की प्रथम बैठक राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह द्वारा बुधवार को नीति भवन नवा रायपुर में आयोजित की गई। बैठक में सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। नीति आयोग के सदस्य डॉ.के.सुब्रमण्यम ने राज्य नीति आयोग द्वारा अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन-2047 तैयार करने के लिए गठित कार्य समूहों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए निर्धारित प्रमुख लक्ष्यों, प्रमुख चुनौतियों तथा विभागीय विजन संबंधी प्रस्तुति दी गई। डॉ. धीरेन्द्र तिवारी, स्कूल शिक्षा विभाग सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, तकनीकी शिक्षा सचिव डॉ. एस.भारतीदासन सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल रहे। एससीईआरटी, छग कौशल विकास प्राधिकरण, छग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आईआईटी भिलाई, आईआईएम रायपुर, एनआईटी रायपुर के प्रतिनिधि भी इसका हिस्सा बने।

वाचनालय में होगा सुविधाओं का विस्तार

शहर के विभिन्न वाचनालयों में छात्रों को विविध तरह की सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। यहां प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का जायजा कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने लिया। उन्होंने आनंद नगर स्थित लाइब्रेरी एवं आनंद समाज वाचनालय का निरीक्षण करके आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने श्री लाल बहादुर शास्त्री लाईब्रेरी में विद्यार्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था तथा अन्य उपलब्ध सुविधा की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर आनंद समाज वाचनालय भी गए वहां अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों से चर्चा कर उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें। गौरतलब है कि जिला प्रशासन द्वारा शहर के मध्य में युवाओं के अध्ययन के लिए लाईब्रेरी-रीडिंग जोन की व्यवस्था की गई है।

Haribhoomi (Raipur bhoomi), 30th May, 2024, P.02